NAV-BHARAT, Mumbai, 14.9.2023
Page No. 11, Size:(5.60)cms X (12.57)cms.

मुंबई में बन रहा है एकमात्र अंडरग्राउंड स्टेशन

बुलेट ट्रेन काम स्पीड में

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के नाम से मशहूर मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर (एचएसआर) का काम तेजी से चल रहा है. मुंबई का बुलेट ट्रेन स्टेशन एकमात्र अंडरग्राउंड स्टेशन है. इस स्टेशन पर 6 प्लेटफॉर्म होंगे और प्रत्येक प्लेटफॉर्म की लंबाई लगभग 415 मीटर (16 कोच वाली बुलेट ट्रेन को एडजस्ट करने के लिए पर्याप्त) है. प्लेटफॉर्म को जमीनी स्तर से लगभग 24 मीटर की गहराई पर बनाने की योजना है. इसमें प्लेटफॉर्म, कॉनकोर्स और सर्विस फ्लोर समेत 3 मंजिलें होंगी. स्टेशन में दो प्रवेश/निकास द्वार की योजना बनाई गई है. एक मेट्रो लाइन 2बी के पास के मेट्रो स्टेशन तक पहुंचने की सुविधा के लिए और दूसरा एमटीएनएल भवन की ओर. स्टेशन की योजना इस तरह से बनाई गई है कि यात्रियों की आवाजाही और कॉनकोर्स और प्लेटफॉर्म स्तर पर सुविधाओं के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध हो. नेचुरल लाइटिंग व्यवस्था के लिए एक डेडिकेटेड स्काईलाइट का प्रावधान भी किया गया है. स्टेशनों पर यात्रियों के लिए नियोजित सुविधाओं में सुरक्षा, टिकटिंग, प्रतीक्षा क्षेत्र, बिजनेस क्लास लाउंज, नर्सरी, रेस्ट रूम, स्मोकिंग रूम, सूचना कियोस्क, खुदरा, सार्वजनिक सूचना और घोषणा प्रणाली, सीसीटीवी निगरानी आदि शामिल हैं. इसके अलावा, मेट्रो, बसों, ऑटो और टैक्सियों जैसे परिवहन के अन्य साधनों के साथ एकीकरण की भी योजना बनाई गई है.

भूमि	4.8 हेक्टेयर
अंडरग्राउंड स्टेशन	01
मंजिल -	03
प्लेटफॉर्म -	06
प्लेटफार्म की लंबाई -	415 मीटर
मौजूदा मजदूर -	559
बुलेट ट्रेन के कोच -	16

कांट्रेक्टर को सौंपी

■ एनएचएसआरएल द्वारा मिली जानकारी के अनुसार 12 सितंबर 2023 तक बीकेसी स्टेशन के निर्माण के लिए आवश्यक 4.8 हेक्टेयर की भूमि एनएचएसआरसीएल द्वारा कांट्रेक्टर को सौंप दी गई है.

■ स्टेशन का निर्माण बॉटम-अप विधि से किया जाएगा, जिसका मतलब है कि खुदाई का काम जमीनी स्तर से शुरू होगा और कंक्रीट का काम नींव से शुरू होगा. स्टेशन के लिए आवश्यक खुदाई काफी विस्तृत है, जो 32 मीटर की गहराई तक जाएगी, जिसकी अनुमानित मात्रा लगभग 18 लाख घन मीटर है.

■ इस तरह की गहरी खुदाई को सुरक्षित रूप से करने के लिए तथा मिट्टी को बहने से रोकने के लिए एक ग्राउंड सपोर्ट सिस्टम का निर्माण किया जाएगा. इस सपोर्ट सिस्टम में 3382 सेकेंट (secant) पाइल्स का इंस्टालेशन शामिल होगा.

RAJASTHAN PATRIKA, Ahmedabad, 14.9.2023
Page No. 4, Size:(6.36)cms X (10.01)cms.

मुम्बई एचएसआर स्टेशन पर प्लेटफॉर्म, कॉनकोर्स और सर्विस फ्लोर समेत तीन मंजिलें होंगी

सूरत @ पत्रिका. मुंबई-अहमदाबाद एचएसआर कॉरिडोर पर मुंबई एचएसआर स्टेशन एकमात्र भूमिगत स्टेशन है। बीकेसी स्टेशन के निर्माण के लिए आवश्यक भूमि, जो लगभग 4.8 हेक्टेयर है, एनएचएसआरसीएल (नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड) द्वारा कांट्रेक्टर को सौंपी जा चुकी है। हाल में बड़ी-बड़ी मशीनों से स्टेशन का निर्माण कार्य शुरू किया गया है।

मुम्बई एचएसआर स्टेशन के लिए खुदाई 32 मीटर की गहराई तक जाएगी। इस तरह की गहरी खुदाई को सुरक्षित रूप से करने के लिए तथा मिट्टी को ढहने से रोकने के लिए ग्राउंड सपोर्ट सिस्टम का निर्माण किया जाएगा। इस सपोर्ट सिस्टम में 3382 सेकेंट पाइल्स का इंस्टालेशन शामिल होगा, जिनमें से प्रत्येक की गहराई 17 से 21 मीटर तक होगी। वर्तमान में, साइट पर 559 मजदूर और सुपरवाइजर दिन-रात काम कर रहे हैं। परियोजना के आगे बढ़ने के साथ यह संख्या बढ़ा दी जाएगी। अनुमान के मुताबिक, प्रतिदिन अधिकतम कार्यबल की आवश्यकता 6000 व्यक्तियों तक पहुंच सकती है।

बीकेसी स्टेशन पर यह होगी सुविधाएं

मुम्बई एचएसआर स्टेशन में 6 प्लेटफॉर्म होंगे। प्रत्येक प्लेटफॉर्म की लंबाई लगभग 415 मीटर मतलब 16 कोच वाली बुलेट ट्रेन को समायोजित करने के लिए पर्याप्त है। प्लेटफॉर्म को जमीनी स्तर से लगभग 24 मीटर की गहराई पर बनाने की योजना है। इसमें प्लेटफॉर्म, कॉनकोर्स और सर्विस फ्लोर समेत तीन मंजिलें होंगी। स्टेशन में दो प्रवेश, निकास द्वार की योजना बनाई गई है, एक मेट्रो लाइन 2बी के पास के मेट्रो स्टेशन तक पहुंचने की सुविधा के लिए और दूसरा एमटीएनएल भवन की ओर होगा। यात्रियों की आवाजाही, कॉनकोर्स और प्लेटफॉर्म स्तर पर सुविधाओं के लिए पर्याप्त जगह होगी। प्राकृतिक प्रकाश के लिए एक डेडिकेटेड स्काईलाइट का प्रावधान है।

RAJASTHAN PATRIKA, Surat, 14.9.2023
Page No. 4, Size:(17.57)cms X (7.10)cms.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

मुम्बई एचएसआर स्टेशन पर प्लेटफॉर्म, कॉनकोर्स और सर्विस फ्लोर समेत तीन मंजिलें होंगी

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट : एकमात्र भूमिगत स्टेशन मुम्बई स्टेशन का निर्माण शुरू

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. मुंबई-अहमदाबाद एचएसआर कॉरिडोर पर मुंबई एचएसआर स्टेशन एकमात्र भूमिगत स्टेशन है। बीकेसी स्टेशन के निर्माण के लिए आवश्यक भूमि, जो लगभग 4.8 हेक्टेयर है, एनएचएसआर सीएल (नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड) द्वारा कांट्रेक्टर को सौंपी जा चुकी है। हाल में बड़ी-बड़ी मशीनों से स्टेशन का निर्माण कार्य शुरू किया गया है।

मुम्बई एचएसआर स्टेशन के लिए खुदाई 32 मीटर की गहराई तक जाएगी। इस तरह की गहरी खुदाई को सुरक्षित रूप से करने के लिए तथा मिट्टी को ढहने से रोकने के लिए ग्राउंड सपोर्ट सिस्टम का निर्माण किया जाएगा। इस सपोर्ट सिस्टम में 3382 सेकेंट पाइल्स का इंस्टालेशन शामिल होगा, जिनमें से प्रत्येक की गहराई 17 से 21 मीटर तक होगी। वर्तमान में, साइट पर 559 मजदूर और सुपरवाइजर दिन-रात काम कर रहे हैं।

परियोजना के आगे बढ़ने के साथ यह संख्या बढ़ा दी जाएगी। अनुमान के मुताबिक, प्रतिदिन अधिकतम कार्यबल की आवश्यकता 6000 व्यक्तियों तक पहुंच सकती है।

बीकेसी स्टेशन पर यह होगी सुविधाएं

मुम्बई एचएसआर स्टेशन में 6 प्लेटफॉर्म होंगे। प्रत्येक प्लेटफॉर्म की लंबाई लगभग 415 मीटर मतलब 16 कोच वाली बुलेट ट्रेन को समायोजित करने के लिए पर्याप्त है। प्लेटफॉर्म को जमीनी स्तर से लगभग 24 मीटर की गहराई पर बनाने की योजना है। इसमें प्लेटफॉर्म, कॉनकोर्स और सर्विस फ्लोर समेत तीन मंजिलें होंगी।

स्टेशन में दो प्रवेश, निकास द्वार की योजना बनाई गई है, एक मेट्रो लाइन 2बी के पास के मेट्रो स्टेशन तक पहुंचने की सुविधा के लिए और दूसरा एमटीएनएल भवन की ओर होगा। यात्रियों की आवाजाही, कॉनकोर्स और प्लेटफॉर्म स्तर पर सुविधाओं के लिए पर्याप्त जगह होगी। प्राकृतिक प्रकाश के लिए एक डेडिकेटेड स्काईलाइट का प्रावधान है। यात्रियों के लिए नियोजित सुविधाओं में सुरक्षा, टिकटिंग, प्रतीक्षा क्षेत्र, बिजनेस क्लास लाउंज, नर्सरी, रेस्ट रूम, स्मोकिंग रूम, सूचना कियोस्क, खुदरा, सार्वजनिक सूचना और घोषणा प्रणाली, सीसीटीवी निगरानी आदि शामिल हैं।

इसके अलावा, मेट्रो, बसों, ऑटो और टैक्सियों जैसे परिवहन के अन्य साधनों के साथ एकीकरण की भी योजना बनाई गई है।

DAINIK BHASKAR, Mumbai, 14.9.2023
Page No. 2, Size:(13.32)cms X (7.00)cms.

भास्कर खास: भूतल से करीब 24 मीटर गहराई में बनेगा टर्मिनल, ट्रैफिक डायवर्जन से परेशानी बढ़ी

बीकेसी में अंडरग्राउंड बुलेट ट्रेन स्टेशन बनाने का काम शुरू

सुजीत गुप्ता | मुंबई

मुंबई के बीकेसी में अंडरग्राउंड बुलेट ट्रेन स्टेशन का निर्माण शुरू हो गया है। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का यह एकमात्र अंडरग्राउंड स्टेशन होगा। यह स्टेशन भूतल से करीब 24 मीटर गहराई में बनेगा। निर्माण कार्य के लिए बीकेसी के डायमंड जंक्शन से जेएसडब्ल्यू ऑफिस और बीकेसी प्लेटिना जंक्शन से मोतीलाल नेहरू ट्रेड सेंटर का मार्ग करीब 9 महीने (12 सितंबर, 2023 से 30 जून, 2024) तक बंद रहेगा। मुंबई ट्रैफिक पुलिस के अनुसार जिन मार्गों का ट्रैफिक मूवमेंट बंद किया गया है, उन्हें वैकल्पिक मार्ग पर डाइवर्ट किया गया है। ऐसा करने से वैकल्पिक मार्गों पर करीब 10 फीसदी ट्रैफिक लोड बढ़ेगा। प्रशासन की ओर से असुविधा के लिए खेद है की सूचना लगा दी गई है। वैसे राहगीरों के साथ वाहन चालकों की परेशानी बढ़ गई है।

- 559 मजदूर खुदाई के काम में जुटे
- 10 फीसदी बढ़ेगा दूसरे मार्ग पर वाहनों का लोड

ये मार्ग रहेंगे बंद

- डायमंड जंक्शन से जेएस डब्ल्यू रोड
- प्लेटिनम जंक्शन से मोतीलाल नेहरू ट्रेड सेंटर मार्ग

बनाए जाएंगे 6 प्लेटफॉर्म: मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड कॉरिडोर के इस स्टेशन में 6 प्लेटफॉर्म होंगे। प्रत्येक प्लेटफार्म 415 मीटर लंबा होगा, जिस पर 16 कोच की बुलेट ट्रेन खड़ी हो सकती है। प्लेटफार्म को जमीनी स्तर से लगभग 24 मीटर की गहराई पर बनाया जा रहा है। इसमें प्लेटफार्म कॉनकोर्स और सर्विस फ्लोर समेत तीन मंजिल होंगे।

ये वैकल्पिक मार्ग

एमटीएनएल जंक्शन, रज्जाक जंक्शन, कुर्ला, बीकेसी रोड डायमंड जंक्शन, जेएसडब्लू कार्यालय से होकर खेरवाड़ी क्षेत्र की ओर जाने वाले वाहन डायमंड जंक्शन/नाबार्ड जंक्शन के दाएं मोड़ से एशियन हार्ट हॉस्पिटल-जेएसडब्ल्यू कार्यालय और खेरवाड़ी क्षेत्र से होकर आगे बढ़ेगा

- खेरवाड़ी क्षेत्र-एशियन हार्ट हॉस्पिटल-जेएसडब्ल्यू कार्यालय से यातायात बीकेसी क्षेत्र की ओर बाएं मुड़कर आगे बढ़ेगा

बीकेसी में इन मार्गों पर वाहनों को प्रवेश नहीं: एमटीएनएल जंक्शन, रज्जाक जंक्शन, कुर्ला बीकेसी क्षेत्र से बीकेसी रोड डायमंड जंक्शन से होकर खेरवाड़ी क्षेत्र में जेएसडब्लू कार्यालय की ओर बाएं-दाएं मुड़ कर आने वाले वाहनों को प्रवेश नहीं मिलेगा

खेरवाड़ी क्षेत्र, एशियन हार्ट हॉस्पिटल की ओर से आने वाले और जेएसडब्ल्यू कार्यालय/एमएमआरडीए कार्यालय/जे कुमार वार्ड से डायमंड जंक्शन, बीकेसी क्षेत्र की ओर बाएं-दाएं मुड़ने वाले वाहनों को प्रवेश नहीं

- एमटीएनएल जंक्शन, रज्जाक जंक्शन, बीकेसी रोड स्ट्रीट नंबर-10, प्लेटिना जंक्शन और मोतीलाल नेहरू नगर ट्रेड सेंटर की ओर बाएं-दाएं मोड़ से आने वाले वाहनों को प्रवेश नहीं
- मोतीलाल नेहरू नगर ट्रेड सेंटर, बीकेसी फायर स्टेशन से प्लेटिना जंक्शन और बीकेसी क्षेत्र की ओर आनेवाले वाहनों को प्रवेश नहीं

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

SAKAL, Mumbai, 14.9.2023
Page No. 5, Size:(12.42)cms X (17.71)cms.

From the belly of the city, Travel of Mumbaikars

शहराच्या पोटातून मुंबईकरांचा प्रवास

अनिल साबळे : सकाळ वृत्तसेवा

मुंबई, ता. १३ : सर्वांना सामावून घेणारी देशाची आर्थिक राजधानी मुंबई बदलत आहे. लोकसंख्येच्या घनतेने वाढणारे मुंबई शहर आणि उपनगरातील वाहतूक व्यवस्थेतही आमूलाग्र बदलत होत आहेत. परिणामी, उपनगरात पूर्व-पश्चिम असा प्रवास करणे प्रवाशांना जिकिरीचे होते. त्यावर तोडगा म्हणून मुंबई सात बोगद्यांद्वारे पूर्व-पश्चिम अशी जोडली जात असून, मेट्रोचेही जाळे विणले जात आहे. एके काळी उड्डाणपुलांचे शहर अशी मुंबईची ओळख होती. आता बोगद्यांचे शहर म्हणून ती ओळखली जाईल.

सध्या देशातील सर्वाधिक बोगदे प्रकल्प मुंबईत कार्यान्वित आहेत. बदलत्या मुंबईचा घेतलेला हा आढावा...

मेट्रो ३ व ७ साठीचे बोगदे

एमएमआरसीएलच्या माध्यमातून काम सुरू असलेली कुलाबा ते सिप्झ मेट्रो ३ ही मार्गिका पूर्णतः भूमिगत आहे. या मार्गिकेत २६ स्थानके भूमिगत, तर एक स्थानक जमिनीवर आहे. एमएमआरडीएच्या माध्यमातून उभारण्यात येत असलेल्या सुमारे ३.४ किमी लांबीच्या मुंबई मेट्रो मार्ग ७ अ प्रकल्पाच्या मार्गातील २.४९ किलोमीटर लांबीच्या दुहेरी बोगद्यासाठी टी ६२ या टनेल बोरिंग मशीनच्या मदतीने १ सप्टेंबर २०२३ रोजी प्रारंभिक भुयारीकरणाचे काम सुरू झाले आहे.

१ मुंबई महानगर क्षेत्रात प्रस्तावित 'मरिन ड्राईव्ह ते वांद्रे-वरळी सी-लिंक' सागरी किनारा मार्ग (कोस्टल रोड) हा मुंबईची वाहतूक कोंडी कमी करण्यास महत्त्वाचा ठरणार आहे.

२ सोबतच 'शिवडी-न्हावा शेवा ट्रान्स हार्बर लिंक' या महत्त्वाकांक्षी प्रकल्पाचे कामही जोमाने सुरू आहे. हा लिंक रोड मुंबईला थेट रायगड जिल्ह्याशी जोडणारा आहे.

३ शहरातील प्रकल्पांसाठी जमीन संपादन करणे, रहिवाशांचे पुनर्वसन करणे हे खर्चिक ठरते. त्यातच मुंबईत पूर्व-पश्चिम जोडणीसाठी (कनेक्टिव्हिटी) संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान हा मोठा अडसर ठरतो. त्यासाठी लागणाऱ्या पर्यावरण विभागाच्या परवानग्या कायद्याच्या कसोटीवर अडचणीच्या ठरतात.

४ अशा अडचणींवर मात म्हणून जमिनीखालून बोगद्याद्वारे वाहतूक व्यवस्था उभारणे हा स्वस्त पर्याय समोर येतो.

कोस्टल रोड बोगदा
गिरगाव ते ब्रीच कँडी पार्क
भारताच्या इतिहासात आतापर्यंतच्या सर्वांत मोठ्या टनेल बोअरिंग मशीनचा वापर
एकूण लांबी **१०.५८** किमी
अंदाजित खर्च **१२,७२१** कोटी

बुलेट ट्रेन खाडी बोगदा
बीकेसी ते शिळफाटा
भारतातील समुद्राखालील पहिलाच बोगदा. ७ किमी खाडीखालील बोगद्याचा समावेश
एकूण लांबी **२१** किमी
अंदाजित खर्च **६,४००** कोटी

ऑरेंज गेट ते मरिन ड्राईव्ह
ऑरेंज गेट ते मरिन ड्राईव्ह
कोस्टल रोड बोगद्याशी जोडला जाणार. दक्षिण मुंबईतील वाहतूक कोंडीवर मात
एकूण लांबी **३.५** किमी
अंदाजित खर्च **६,३२७** कोटी

गोरेगाव-मुलुंड लिंक रोड
फिल्म सिटी ते मुलुंड खिंडीपाडा
एक ते दीड तासांचा प्रवास १५ मिनिटांत होणार
लांबी **१२.२०** किमी
खर्च **८,१३७** कोटी

ठाणे ते बोरिवली
टिकुजिनी वाडी ते मागाठाणे
ठाणे ते बोरिवली अंतर १५ मिनिटांत गाठता येणार
एकूण लांबी **११.८४** किमी
अंदाजित खर्च **१४,०००** कोटी

ऐरोली-काटई उन्नत मार्ग
ऐरोली ते काटई नाका
नवी मुंबई-डोंबिवली प्रवास केवळ १५ मिनिटांत. १२.३० किमीचा उन्नत मार्ग
एकूण लांबी **१.६९** किमी
अंदाजित खर्च **१,४४१** कोटी

खारघर-तुर्भे लिंक रोड
तुर्भे येथून जुईनगरमार्गे खारघर
सायन-पनवेल महामार्गावरील वाहतूक कोंडी सुटणार
एकूण लांबी **२.४** किमी
अंदाजित खर्च **२,१९५** कोटी